Title : Need to solve the problems being faced by Servicemen, Ex-servicemen and their families.

श्री अविनाश राय खन्ना : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं सैनिकों और पूर्व सैनिकों के सम्मुख आ रही कठिनाइयों की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। जैसा हम सब को ज्ञात है कि सैनिक 19-20 वर्ा की आयु में सेना में भर्ती होकर सरहदों में नौकरी करते हैं और 17 वर्ा की सेवा के बाद रिटायर हो जाते हैं। उनको बाकी सिक्योरिटी फोर्सिज जैसे बीएसएफ, सीआईएसएफ और सीआरपीएफ में एडजस्ट करने की स्कीम बनायी जाए ताकि वे 17 वर्ा की सर्विस करने के बाद दोबारा सिक्योरटी फोर्सिज में नौकरी कर सकें। जब सैनिक रिटायर होकर आते हैं तो उनको कोई काम या बिजनेस शुरू करना होता है। इसके लिए कन्सैशनल रेट पर लोन देने की सुविधा होनी चाहिए। उनकी एक रैंक एक पैंशन की मांग काफी समय से पैडिंग है। उसे जल्दी से जल्दी लागू किया जाए। कई बार सैनिकों को रिटायर होने के बाद दूसरी जॉब भी मिल जाती है लेकिन अगर दो पैंशन लेते समय उसकी मृत्यु हो जाती है तो उसकी फैमिली को केवल एक पैंशन मिलती है। सरकार कोई ऐसा प्रावधान करे कि उसकी मौत के बाद उस सैनिक की फैमिली को दोनों पैंशन मिले। सैनिकों को दूसरी कई सुविधाएं भी प्रदान करनी पड़ती हैं। उनकी समस्याएं भी अलग हैं। इसलिए सैनिकों का पे कमीशन अलग होना चाहिए।

पे कमीशन में सैनिक, ब्रिगेडियर या किसी भी रैंक के अफसर हैं, इसमें उनकी भागीदारी जरूर हो ताकि पे स्केल और सुविधाओं को तय करते समय उन्हें ज्ञान हो कि सैनिक कौन सी समस्याओं को फेस कर रहे हैं। मेरा सरकार से निवेदन है कि सैनिकों और पूर्व सैनिकों की समस्याओं की तरफ ध्यान देकर उनका जल्द से जल्द समाधान किया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय : श्री विजय कुमार मल्होत्रा : अनुपस्थित।